“संपूर्ण जीवसृष्टि की शाश्वतता और नस्लवाद के खिलाफ संगठन” का कार्य

यदि हम अगले पांच से दस वर्षों में अपनी अर्थव्यवस्था, अपनी ऊर्जा प्रणालियों और अपने जीवन में कुछ बहुत बड़े बदलाव करें, तो मानव-जनित जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को सीमित करना और पर्यावरण को पुनर्स्थापित करना संभव है। 'संपूर्ण जीवसृष्टि की शाश्वतता' (सस्टेनिंग ऑल लाइफ) और 'नस्लवाद के खिलाफ संगठन' (यूनाइटेड टू एंड रेसिज्म) का मानना है कि नस्लवाद, स्थानीय लोगों के नरसंहार, वर्गवाद, लिंगवाद और अन्य उत्पीड़नों (oppressions) पर जब हम एक साथ विचार करेंगे, तभी पर्यावरण संकट का समाधान हो सकता है। पर्यावरण के विनाश और जलवायु परिवर्तन का प्रभाव इन उत्पीड़नों द्वारा लक्षित समूहों और अन्य कमजोर आबादी (बुजुर्ग, विकलांग और बहुत छोटे लोगों की आबादी सहित) पर सबसे अधिक पड़ता है। आवश्यक परिवर्तन लाने के लिए जलवायु परिवर्तन, नस्लवाद और शोषण के प्रभावों से लड़ने वाले दुनिया भर के हर पृष्ठभूमि के लोगों के बीच एक बड़े पैमाने पर आंदोलन की आवश्यकता होगी।

'संपूर्ण जीवसृष्टि की शाश्वतता' (सस्टेनिंग ऑल लाइफ) और 'नस्लवाद के खिलाफ संगठन' (यूनाइटेड टू एंड रेसिज्म) मानता है कि एक पर्याप्त बड़े और शक्तिशाली आंदोलन के निर्माण में आने वाली बाधाएँ इस प्रकार हैं - (1) राष्ट्रों और जन-समुदायों के बीच लंबे समय से चला आ रहा विभाजन (सामान्यतः उत्पीड़न और विशेष रूप से नस्लवाद और वर्गवाद के कारण होनेवाला विभाजन), (2) यह व्यापक भावना कि अब बहुत देर हो चुकी है और कोई भी कार्रवाई अप्रभावी होगी, (3) जलवायु संबंधी आपात स्थिति को स्वीकार न करना या उससे जुड़ने में विफलता, और (4) पर्यावरणीय संकट तथा हमारी आर्थिक प्रणाली की विफलताओं के आपसी संबंधों को प्रभावशाली तरीके से सुलझाने में आनेवाली कठिनाइयाँ। ऐसे मुद्दों के साथ ही अन्य मुद्दों को सुलझाने के लिए भी “सस्टेनिंग ऑल लाइफ और यूनाइटेड टू एंड रेसिज्म” काम करता है।

उत्पीड़न की भूमिका

हमारे समाज का आर्थिक और राजनीतिक स्वरूप ऐसा है कि विकास और लाभ की मांग करते समय जनसामान्य, अन्य सजीवों और पृथ्वी के प्रति सम्मान की भावना नगण्य रह जाती है। इसका परिणाम शोषण और उत्पीड़न है। जबरदस्त अन्याय करने, संसाधनों तक पहुँच सीमित करने, और अरबों लोगों के जीवन को नुकसान पहुँचाते हुए उत्पीड़न (जैसे नस्लवाद, वर्गवाद, लिंगवाद और युवा लोगों का उत्पीड़न) सभी को शिकार बनाते हैं। एक बार उत्पीड़न का निशाना बनने के बाद हम दूसरों के साथ वैसा ही चोट पहुँचानेवाला बर्ताव करते हैं, जैसा हमने अनुभव किया होता है। इस प्रक्रिया के परिणामस्वरूप हम मानसिक और भावनात्मक नुकसान (harm) का अनुभव करते हैं। हमारा अनुभव यह है कि भले ही लोग उत्पीड़क कार्य करने के लिए प्रेरित होते हों, पर ऐसा व्यवहार करना उनकी मूल प्रवृत्ति नहीं होती, बल्कि जब कोई व्यक्ति भावनात्मक रूप से घायल होता है, तभी यह प्रेरणा उत्पन्न होती है। आर्थिक शोषण को स्थापित करने और उसे बनाए रखने के लिए उत्पीड़क समाज इस संवेदनशीलता का चालाकी से उपयोग करता है।

व्यक्तिगत नुकसान से उबरने का महत्व

उत्पीड़न और अन्य दुखद अनुभवों से हमारा जो मानसिक और भावनात्मक नुकसान होता है, उससे हमारी स्पष्ट रूप से सोचने की क्षमता बाधित होती है और यह नुकसान लोगों के समूहों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा कर देता है। इससे जलवायु आपात स्थिति के बारे में सोचना और उस पर प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देना हमारे लिए कठिन हो जाता है।

उत्पीड़न को बनाए रखने रखने और अन्य दुखदायक व्यवहार को जन्म देने में सहायक चोटों से उबरना न तो तुरंत हो पाता है और न यह आसान काम है। हममें से कई लोग उबरने की इस व्यक्तिगत प्रक्रिया (personal healing process) का विरोध करते हैं। हो सकता है कि स्वयं को सुन्न करते हुए हम इस उत्पीड़नजन्य नुकसान को अनदेखा कर दे। हममें से कुछ लोग ऐसा भी मानते हैं कि हम कभी भी इस नुकसान से मुक्त नहीं होंगे। 'संपूर्ण जीवसृष्टि की शाश्वतता' (सस्टेनिंग ऑल लाइफ) और 'नस्लवाद के खिलाफ संगठन' (यूनाइटेड टू एंड रेसिज्म) में हमने सीखा है कि खुद को इन चोटों से मुक्त होना और प्रभावी आयोजन में आने वाली बाधाओं को दूर करना संभव है। यदि कोई हमारी बात ध्यान से सुनता है और हमें दुःख, भय और अन्य दर्दनाक भावनाओं को व्यक्त करने की अनुमति देकर उसके लिए प्रोत्साहित करता है, तो हम दुखद अनुभवों से उबर (heal) सकते हैं। यह हमारी प्राकृतिक रूप से उबरने की प्रक्रियाओं के माध्यम से होता है, जैसे कि बात करना, रोना, कांपना, गुस्सा व्यक्त करना और हंसना।

एक सहायक नेटवर्क में भावनात्मक दर्द को दूर करके, हम एकजुट, आशावान, विचारशील, आनंदमय और प्रतिबद्ध रह सकते हैं। परिणामस्वरूप जलवायु परिवर्तन और नस्लवाद के प्रभावों को रोकने के हमारे आंदोलन चलाने के लिए हमें ताकत मिलती है।

Sustaining All Life

United to End Racism

अधिक जानकारी के लिए देखें:
www.sustainingalllife.org या www.unitedtoendracism.org
या लिखें: Sustaining All Life/United to End Racism
19370 Firlands Way N, Shoreline, WA 98133-3925 USA
ईमेल: sal@rc.org   टेलीफ़ोन: +1-206-284-0311